पंडित टोडरमल स्नातक परिषद

सेवा में,
माननीय अध्यक्ष महोदय एवं समस्त ट्रस्टीगण,
पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर,
विषय : पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट की मूल रीति–नीति एवं गौरवशाली परंपरा के संरक्षण हेतु सामूहिक निवेदन।

महोदय, सादर जय जिनेन्द्र !

हम, श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के स्नातकगण, अत्यंत श्रद्धा एवं विनम्रता के साथ यह निवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

पंडित टोडरमल स्मारक एवं श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय अनेक महान विभूतियों के त्याग, तप और समर्पण का परिणाम हैं। विशेष रूप से आदरणीय श्री पूरनचंद जी गोदिका, डॉ. हुकुमचंद जी भारिल्ल (छोटे दादा), श्री नेमिचंद जी पाटनी, पंडित बाबूभाई मेहता, पंडित रतनचंद जी भारिल्ल, ब्र. यशपाल जी एवं पंडित पूनमचंद जी छाबड़ा ने अपना संपूर्ण जीवन संस्था की रीति–नीति, जिनवाणी की प्रभावना तथा संस्कारित स्नातकों के निर्माण के लिए समर्पित किया। हम सभी स्नातक स्वयं को उसी परंपरा की अमूल्य धरोहर मानते हैं।

वर्तमान परिस्थितियों को देखकर हम सभी स्नातकों के मन में गहरी चिंता उत्पन्न हुई है। हमें ऐसा अनुभव हो रहा है कि संस्था की स्थापित रीति–नीति, पारदर्शिता, संवाद एवं दादा द्वारा स्थापित मूल्यों को लेकर समाज में अनेक प्रश्न और असमंजस उत्पन्न हो रहे हैं। यह स्थिति संस्था की गरिमा एवं समाज के विश्वास के लिए चिंताजनक है।

अतः हम सभी स्नातकों का विनम्र आग्रह है कि इस विषय पर संवाद, पारदर्शिता, न्याय और संस्था के मूल आदर्शों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसा समाधान निकाला जाए, जिससे समाज का विश्वास और संस्था की गौरवशाली परंपरा अक्षुण्ण बनी रहे।

यह निवेदन किसी व्यक्ति के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि पंडित टोडरमल स्मारक, श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय, दादा–द्वय की आजीवन साधना तथा संस्था की मूल रीति–नीति के संरक्षण की भावना से किया जा रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि ट्रस्ट संस्था की गौरवपूर्ण परंपरा, समाज की भावनाओं एवं संस्थापकों के आदर्शों का सम्मान करते हुए उचित निर्णय करेगा।

सादर,

(sample)

आपका नाम (Your Name)
Phone No : + 91 98765 43210
From : पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट | Batch No : 89

श्री टोडरमल स्नातक परिषद की ओर से